Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 7.671
January to March 2024, E-Journal, Vol. I, Issue XLV

शिक्षा में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की प्रभावशीलता

खुशबू परिहार*

* बी एड.+ एम.एड. 4th छात्र, महाराजा कॉलेज, उज्जैन (म.प्र.) भारत

प्रस्तावना – सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी शिक्षा सहित अन्य क्षेत्रों के क्रियाकलापों को अत्यन्त प्रभावित कर रही है। यह पठन–पाठन से लेकर आंकलन मूल्यांकन तक शिक्षा के हर पहलू को प्रभावित कर रही है यह शिक्षा की प्रभावशीलता बढ़ाती है एवं साक्षरता के आन्दोलन में भी कभी मददगार है, रेडियों टेलीविजन, संगणक इंटरनेट, मोबाईल, सोशल साइटस आदि का उपयोग आज शिक्षा के क्षेत्र में अल्पकनीय एवं विस्तृत है। शिक्षा चाहे किसी भी क्षेत्र के लिए हो एवं सूचना जिसे जन–जन तक पहुँचाना है, वह सूचना प्रौद्योगिकी के विकास से ही संभव हो पाया है।

मनुष्य प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों तरीकों से ज्ञान प्राप्त कर सकता है। जब कभी किसी कारणवश कोई विद्यार्थी प्रत्यक्ष रूप से ज्ञान प्राप्त करता है।

सूचना एवं संचार तकनीकी से मानव जीवन का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र हो जो इसके अनुप्रयोग से अछूता रह गया होगा इसकी प्रमुख आवश्यकताओं को निम्नबिन्दुओं में व्यक्त कर सकते हैं :

1. शिक्षा की बढ़ती हुई मांग की पूर्ति हेतु व विद्यार्थियों की शैक्षिक एवं व्यावहारिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए।
2. देश एवं राज्य के प्रत्येक दूरस्थ व दुर्गम क्षेत्र तक गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की पहुँचे बनाने हेतु।
3. शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को रूचि कर, सरल, सुगम एवं बोधपूर्ण बनाने हेतु।
4. देश व राज्य के प्रत्येक दूरस्थ व दुर्गम क्षेत्र तक गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की पहुँच बनाने हेतु।
5. शैक्षिक सूचनाओं एवं आँकड़ों के संकलन, संग्रह व उपलब्धता का एक आधारभूत मंच बनाना जो की सभी के लिए सव्रसुलभ हो।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी शिक्षा सहित हर क्षेत्र को अत्यन्त प्रभावित कर रही है। आज कल शिक्षा क्षेत्र में विशेष रूप से शैक्षणिक गतिविधियों में प्रौद्योगिकी को सशक्त करने की प्रक्रिया में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रौद्योगिकी छात्र के ज्ञान को बढ़ाने का सबसे प्रभावशाली तरीका हो सकता है।

शिक्षा में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का आयोग शिक्षा की प्रभावशीलता को बढ़ाते हुए अध्यायन और अध्ययन की गुणवत्ता बढ़ाता है इसने अध्ययन में एक नया आयाम जोड़ा है जो उपलब्ध नहीं था। विद्यालय में सूचना संचार प्रौद्योगिकी की शुरूआत के बाद में छात्रों की पारम्परिक कक्षा के वातावरण की तुलना में प्रौद्योगिकी वर्धित वातावरण में पढ़ना ज्यादा स्फूर्ति दायक और रूचि कर लगता है।

कक्षा में और उसके अतिरिक्त पढ़ाई में सुधार लाने के लिए सूचना संचार प्रौद्योगिकी उत्प्रेरक की भूमिका निभाता है एक सामग्री प्रदाता का चयन करने से पहले व्यक्ति को अच्छी तरह से सोचना समझना चाहिए, क्योंकि सामग्री ही प्रमुख होती है स्मार्ट क्लास एजुकेशन प्रा. लि. के निदेशक है।

वर्तमान में मानव जीवन का प्रत्येक पहलू सूचक एवं संवाद प्रौद्योगिकी से अछूता नहीं है उसी प्रकार शिक्षा का क्षेत्र भी इसके अभावों से अप्रभावित नहीं रहा है नये–नये साधनों का बढ़ता उपयोग आज शिक्षा के क्षेत्र को इस नवीन तकनीकी से जोड़ता जा रहा है इन साधनों में मुख्य है – रेडियों, इण्टरनेट टेलीकॉन्फ्रेसिंग मोबाइल फोन कम्प्यूटर आदि।

शिक्षा का कोई भी भाग या क्षेत्र जैसे विधियों, शैक्षिक प्रक्रिया, उद्देश्य तथा शोध का विषय सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के बिना आज सम्पूर्ण होना नहीं दिखाई नहीं देता वर्तमान में चाहे छात्राध्यापकों के ज्ञान से सम्बन्धित समस्याएँ हो या उनमें कार्य व्यापार की समस्याएँ हो सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की जरूरत के बिना पूर्ण नहीं हो पा रही है वर्तमान में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का क्षेत्र के अत्यन्त शक्तिशाली भी होता जा रहा है।

शिक्षा जगत में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग अध्ययन की समस्त क्रियाओं में किया जाने लगा है। विद्यालय कला कौशल में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी इतनी समृद्धि एवं शक्तिशाली होती जा रही है कि छात्रों के अध्ययन और छात्राध्यापकों के अध्यापन तथा उनके परीक्षण में इसका महत्व बढ़ता ही जा रहा है आज शैक्षिक तकनीकी की पुरानी परिकल्पना में इस प्रौद्योगिकी ने अभूतपूर्व परिवर्तन ला दिया है।

सूचना एवं संचार तकनीकी से तात्पर्य उस सूचना सम्प्रेषण तकनीकी से है, जिसके माध्यम से सम्प्रेषण कार्य अत्यधिक प्रभावीढ़ंग से सम्पन्न किया जाता है इसका संबंध वैज्ञानिक तकनीकी के ऐसे संसाधनों व साधनों से होता है जिसके माध्यम से त्वरितगति से सूचनाओं को प्रभावी आदान–प्रदान होता है।

सूचना एवं संचार तकनीकी द्वारा विद्यार्थियों को उनकी योग्यतानुसार पाठ्य सामग्री को बोधगम्य बनाकर अधिगम कराने में सहायक है। सूचना एवं संचार तकनीकी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को सरल, सुबोध एवं सुगम बनाने में सहायक है।

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी क्षेत्र एक गतिशील क्षेत्र है और तेज ट्रांसमिशन और अधिक क्षमता की माँग लगातार बढ़ रही है।

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी में ऐसे उत्पाद शामिल है जिनसे इलेक्ट्रॉनिक जानकारी संग्रहीत, संसाधित संचारित बदली डुप्लीकेट या प्राप्त की जाती है सूचना एवं संचार में एनलॉग तकनीक भी शामिल है।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का दूसरा कार्य होता है सूचनाओं का सम्प्रेषण अर्थात् सूचना को एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचाना जिसके लिए विभिन्न प्रकार के माध्यम भी है।

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का अगला कार्य होता है सूचना का प्रोसेसिंग जिसमें एक नए अनुसंधानों को जगह प्राप्त होती है इस कार्य के लिए कम्प्यूटर अत्यधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है शिक्षाविद् कहते है कि सूचना तकनीकी ज्ञान कौशल तथा अभिवृत्ति प्रदान करने की एक नवीन तथा उभरती हुई विशिष्ट आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाली एक शैक्षिक प्रक्रियाहै।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. व्यक्तिगत शोध के आधार पर।

****